क्र० सं०	परियोजना का नाम	स्थिति
3.	बार्ज माउंटेड पावर प्लांट (110 मे० वा०) दभोल के समीप	महाराष्ट्र राज्य सरकार ने इन परियोजनाओं को निजी क्षेत्र में क्रियान्वित करने के लिए तकनीकी-आर्थिक स्वीकृति हेतु के० वि०प्रा०को प्रेषित किया था। दभोल और खापरखेड़ा परियोजनाओं को के० वि० प्रा० की स्वीकृति कुछ शर्तों के अधीन "सिद्धांत रूप" में प्रदान कर दी गई है।
4.	दभोल सीसीजीटी (2015 मे० वा०)	
5.	खापरखेड़ा टीपीएस (2×210मे०वा०) यूनिट 5 एवं 6	
6.	भुसावल (बी) टीपीएस (2×500 मे० वा०)	यह स्कीम राज्य सरकार द्वारा के० वि० प्रा० को तकनीकी-आर्थिक स्वीकृति प्रदान करने हेतु प्रेषित की गई है।

ऊपर सूचीबद्ध परियोजनाओं को आठवीं पंचवर्षीय योजना के क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम में शामिल नहीं किया गया है। तथापि, दभोल सीसीजीटी से लाभों की प्राप्ति आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान होने की आशा है।

(घ) और (ङ) विद्युत् स्कीमों को तकनीकी आर्थिक स्वीकृति प्रदान किया जाना विभिन्न निविष्टियों की उपलब्धता, अन्य मंत्रालयों/अभिकरणों से कुछ सांविधिक और अन्य स्वीकृतियां तथा परियोजना प्राधिकारियों से अपेक्षित उत्तर/स्पष्टीकरणों की समय पर प्रस्तुति पर निर्भर करता है।

Rural Electrification

4526. SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE : Will the Minister of POWER be pleased to refer to answer to Unstarred Question 140 given in the Rajya Sabha on 22nd February, 1994 and state :

(a) whether the number of villages electrified is less than the target fixed ;

(b) if so, the details, together with the reasons therefor ; and

(c) the target fixed for the purpose during the Eighth Five Year Plan and the achievement made so far ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU) : (a) On all-India basis, the number of villages electrified during the 7th Five Year Plan, under REC schemes, had exceeded the targets. However, there were shortfalls in achievement in the targets, in respect of certain states.

(b) Details are given in the Annexure [*See* Appendix No. 170, Annexure No. 88].

(c) The 8th Five Year Plan envisages electrification of 50,000 villages (including 10,000 villages through Non-conventional Sources). Targets and achievements during the first two years of the 8th Five Year Plan are given below :

Year	Target	Achievement
1992-93 . .	4240	3669
1993-94 . .	3210	2569 (provisional)

विद्युत् उत्पादन क्षमता में वृद्धि किया जाना

4527. **श्री राम जेठमलानी** : क्या विद्युत् मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान विद्युत् उत्पादन क्षमता में 30538 मे० वा० की वृद्धि किए जाने के लक्ष्य निर्धारित किया गया है;

(ग) यदि हाँ, तो क्या उक्त लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ऐसी परियोजनाओं की स्थापना हेतु आवश्यक धनराशि का आवंटन भी किया गया था;

(ग) यदि हाँ, तो इस सम्बन्ध में किए गए आवंटन का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या यह सच है कि अतिरिक्त विद्युत् उत्पादन क्षमता स्थापित करने के लिए निर्धारित लक्ष्य 1991-92, 1992-93 और 1993-94 के दौरान प्राप्त नहीं किए जा सके;

(ङ) यदि हाँ, तो उपरोक्त वर्षों के दौरान प्राप्त किए गए लक्ष्य के प्रतिशत का वर्गवार ब्यौरा क्या है; और

(च) निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उपर्युक्त वर्षों के दौरान आवंटित धनराशि में वर्षवार कितने प्रतिशत धनराशि खर्च की गई ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० वी० रंगैय्या नायडु) : (क) से (ग) आठवीं योजना अवधि के लिए क्षमता अभिवृद्धि लक्ष्य 30537.7 मे० वा० का है। आठवीं योजना के लिए, उत्पादन

स्कीमों के वास्ते 49424.15 करोड़ रुपए सहित विद्युत् क्षेत्र के लिए कुल परिव्यय 79589.32 करोड़ रुपये है ।

(घ) और (ङ) वर्ष 1991-92, 1992-93 और 1993-94 के दौरान उत्पादन क्षमता अभिवृद्धि पैदा करने के लिए लक्ष्य और उपलब्धि नीचे दी गई हैं :—

वर्ष	लक्ष्य (मे०वा०)	उपलब्धि (मे०वा०)
1991-92 .	3810.08	3026.05
1992-93 .	4456.02	3537.27
1993-94 .	4439.25	4538.75

(च) वर्ष 1991-92 के दौरान उत्पादन स्कीमों के लिए आवंटित राशि का 110 प्रतिशत खर्च किया गया । वर्ष 1992-93 और 1993-94 के लिए उत्पादन परियोजना के वास्ते क्रमशः 10353 करोड़ रुपये और 11028 करोड़ रुपये अनुमोदित किए गए थे ।

गांवों का विद्युतिकरण

4528. **श्री अजीत जोगी :** क्या विद्युत् मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1992-93 में तथा दिसम्बर 1993 तक प्रत्येक राज्य में विद्युतिकृत गाँवों की संख्या कितनी है;

(ख) उपर्युक्त अवधि के दौरान इस प्रयोजनार्थ प्रत्येक राज्य को कितनी वित्तीय सहायता दी गई है;

(ग) क्या सरकार ने देश के सभी गाँवों का विद्युतिकरण करने के लिए कोई समयबद्ध योजना तैयार की है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ?

विद्युत् मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० वी० रंगैया नायडू) : (क) 1992-93 और दिसम्बर, 1993 तक, प्रत्येक राज्य में विद्युतिकृत गाँवों का ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है ।

(ख) 1992-93 और दिसम्बर, 1993 तक ग्रामीण विद्युतिकरण कार्यों के लिए राज्यवार प्रदान की गयी वित्तीय सहायता, जिसमें ग्राम विद्युतीकरण भी शामिल है, का ब्यौरा विवरण में दिया गया है । (नीचे देखिए)

(ग) और (घ) : ग्रामीण विद्युतिकरण एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है । ग्रामीण विद्युतिकरण कार्यक्रमों के लिए लक्ष्य, योजना आयोग द्वारा संसाधनों की समग्र उपलब्धता और संबंधित राज्य बिजली बोर्डों से प्राप्त प्रस्तावों को मद्देनजर रखते हुए राज्य बिजली बोर्डों के साथ विचार-विमर्श के बाद वार्षिक आधार पर निर्धारित किये जाते हैं ।

विवरण

1992-93 और 1993-94 (दिसम्बर 1993 तक) के दौरान विद्युतिकृत गांव और उपलब्ध कराई गई वित्तीय सहायता

क्र० सं०	राज्य	गांवों की सं० 1992–93	1993–94 के दौरान विद्युतिकृत (दिसंबर 93 तक)	1992–93 के दौरान उपलब्ध करायी गई वित्तीय सहायता	1993–94 (दिसंबर) (लाख रु०.)
1.	आन्ध्र प्रदेश	×	×	4815	1140
2.	अरुणाचल प्रदेश . . .	134	11 (सी)	450	79
3.	असम	17	शून्य	276	
4.	बिहार	258	41	377	59
5.	गोवा	×	×	0	
6.	गुजरात	×	×	2503	1610
7.	हरियाणा	×	×	2123	513
8.	हिमाचल प्रदेश . . .	×	×	431	130